गति पकड़ेगा शहर का विकास...

वस्त्रनगरी को मिला दीपावली का तोहफा

11 वर्ष से लम्बित भीलवाड़ा के मास्टर प्लान को सरकार की मंजूरी

सुरेश जैन
rajasthanpatrika.com

भीलवाड़ा. दीपावली से पहले सरकार ने वस्त्रनगरी को तोहफा दिया है। नगर विकास न्यास की ओर से प्रस्तावित मास्टर प्लान प्रारूप 2035 को करीब 11 वर्ष के इन्तजार के बाद नगरीय विकास मंत्री राजपाल सिंह शेखावत ने स्वीकृत कर दिया है। अब सरकारी अधिसूचना जारी होने के साथ ही मास्टर प्लान लागू हो जाएगा। अधिसूचना प्रकाशन की तारीख से लेकर अगले दो साल तक भू उपयोग परिवर्तन यानी जमीन की किस्म को बदला नहीं जा सकेगा। मास्टर प्लान को मंजूरी दिलाने में भीलवाड़ा विधायक विट्ठलशंकर अवस्थी और न्यास सचिव पीएस सांगावत की अहम भूमिका रही। न्यास गठन के बाद पहली बार भीलवाड़ा का मास्टर प्लान लागू होगा। शहर का प्रारूप मास्टर प्लान 28 नवम्बर 2005 को प्रकाशित किया गया। इस पर करीब 193 आपत्तियां आई। फिर संशोधित प्रारूप मास्टर प्लान 5 जुलाई 2011 को प्रकाशित हुआ, इस पर 415 आपत्ति आई थी। इसके बाद 29 जुलाई 2013 को मास्टर प्लान-2035 जारी हुआ। इसमें भीलवाड़ा शहर सहित आसपास के 53 राजस्व गांवों को शामिल नहीं किया गया था।

इसी सप्ताह जारी होगी गजट अधिसूचना

न्यास के गठन के बाद पहली बार भीलवाड़ा का मास्टर प्लान को मंत्री राजपालसिंह शेखावत ने हरी झण्डी दी है। अब गजट अधिसूचना जारी होने की तारीख से लागू हो जाएगा। उम्मीद है इसी सप्ताह लागू हो जाएगा।

पीएस सांगावत, सचिव न्यास

फाइल फोटो

निर्बाध यातायात के लिए नए सर्किल

शहर में निर्बाध यातायात के लिए अजमेर मार्ग पर सुखाड़िया सर्कल, सांगानेर सड़क पर अब्दुल कलाम सर्कल, हरणी महादेव को जाने वाली आन्तरिक मुद्रिका सड़क तथा उदयपुर मार्ग पर महाराणा प्रताप सर्कल, आजादनगर योजना में मीरा सर्कल, पन्नाधाय सर्कल तथा बापूनगर योजना में किशनचन्द्र सर्कल का निर्माण किया गया है। मास्टर प्लान में बाह्य मुद्रिका सड़क एवं पांसल सड़क पर उत्तर में अजमेर मार्ग पर तथा पूर्व में कोटा रोड पर प्रस्तावित बस स्टैण्ड के पास सर्कलों का निर्माण प्रस्तावित है। विकसित क्षेत्रों के विभिन्न तिराहों को यातायात के दबाव के अनुरूप सुधार प्रस्तावित है।

भीलवाड़ा मास्टर प्लान का गजट नोटिफिकेशन अगले सप्ताह तक जारी हो जाएगा। इसे जारी करने में कम से कम सात दिन का समय लगता है।

इन्द्रा चौधरी, मुख्य नगर नियोजक, जयपुर

मंत्री ने ली थी बैठक

मास्टर प्लान के संबंध में जनप्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श के लिए राजपाल शेखावत की अध्यक्षता में 12 जनवरी 2016 को बैठक हुई। इसके बाद स्थानीय स्तर पर बैठक कर प्लान को अन्तिम रूप दिया गया। मास्टर प्लान को लम्बित रखने से एकबारगी लगा कि कहीं दुबारा नहीं बनवाना पड़े, लेकिन न्यास सचिव के प्रयास पर मंत्री ने इस पर शनिवार को स्वीकृति की आखिरी मुहर लगा दी।

भीलवाड़ा का इतिहास

भीलवाड़ा का इतिहास लगभग 950 वर्ष पुराना माना जाता है। भीलों की बसावट के कारण इसे भीलवाड़ा नाम मिला। 18वीं शताब्दी तक भीलवाड़ा का अस्तित्व नगण्य तथा था। इसके बाद इस शहर ने अपना अस्तित्व स्थापित करते हुए 1928 में नगर परिषद तथा वर्ष 1967 में नगर सुधार न्यास की स्थापना हुई। 1938 में मेवाड़ टेक्सटाइल मिल तथा 1941 में महादेव कॉटन मिल की स्थापना हुई। कपड़ा उद्योग की स्थापना के साथ शहर के विकास को पंख लगते गए।

एक्सक्लूसिव

इन गांवों को किया शामिल

भीलवाड़ा तहसील के भीलवाड़ा, पालड़ी, गोविन्दपुरा, तेलीखेड़ा, सांगानेर, केवाड़ा, सुवाणा, नई ईरास, हलेड़, हरणीकलां, ओड़ों का खेड़ा, हरणीखुर्द, सबलपुरा, गठीलाखेड़ा, मण्डपिया, आटूण, बोरड़ा, पुर, मलाण, बिलिया, किशनावतों की खेड़ी, मोखमपुरा, पांसल, जीपीया, मालोला, जोधड़ास, धूलखेड़ा, भदालीखेड़ा, बिलियाकला, नारायणपुरा, स्वरूपगंज, गुवारड़ी, कांगोली, आरजिया व माधोपुर। माण्डल तहसील के माली खेड़ा उर्फ राजपुरा, सन्तोकपुरा, स्टेशन नगर, माण्डल, गुढ़ा, कीरखेड़ा, मालीखेड़ा व सुरास। बनेड़ा तहसील के रायसिंहपुरा, चमनपुरा, रनिंगपुरा, रघुनाथपुरा, छतरीखेड़ा, एकलिंगपुरा, तस्वारिया, आकोला, भोली तथा सालरिया राजस्व गांव शामिल है।

मास्टर प्लान में छह योजना क्षेत्र में बांटा गया

40,957 हैक्टेयर भूमि प्लान में शामिल

9,636 नगरीकरण योग्य के लिए प्रस्तावित

2,111 हैक्टेयर बहुउद्देश्यीय योजना क्षेत्र

5,974 आवासीय दायरे के लिए प्रस्तावित

28,453 परिधि नियंत्रण क्षेत्र के लिए प्रस्तावित

पुर मार्ग व दक्षिण-पूर्वी योजना क्षेत्र में दो ट्रांसपोर्ट नगर व तीन बस टर्मिनल प्रस्तावित

चित्तौड़गढ़ रोड पर समेलिया फाटक के दक्षिण में बस स्टैंड प्रस्तावित

कोठारी नदी के उत्तर पूर्व में मिनी सचिवालय, विश्वविद्यालय, जेल, कृषि उपज मंडी भवन के लिए भूमि